महत्वपूर्ण पहल कार्ययोजना तैयार, कलेक्टर, सीईओ, एसडीएम ने लिया जायजा, हुआ विचार-विमर्श

अर्बन चैलेंज फंड स्कीम से बदलेगी भेड़ाघाट की तस्वीर

जबलपुर। विश्व प्रसिद्ध पर्यटन स्थल भेड़ाघाट को आधुनिक सुविधाओं से सुसज्जित कर अंतरराष्ट्रीय स्तर के पर्यटन केंद्र के रूप में विकसित करने की दिशा में महत्वपूर्ण पहल शुरू हो गई है। केंद्र सरकार की यूसीएफ अर्बन चैलेंज फंड स्कीम के तहत भेड़ाघाट क्षेत्र के समग्र विकास के लिए विस्तृत कार्ययोजना तैयार की जा रही है।

इसी क्रम में गुरूवार को कलेक्टर राघवेंद्र सिंह, स्मार्ट सिटी के सीईओ, एसडीएम तथा भेड़ाघाट नगर परिषद के अधिकारियों ने क्षेत्र का भ्रमण कर विभिन्न विकास कार्यों की संभावनाओं एवं आवश्यकताओं का जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान गोपालपुर नाका क्षेत्र में पार्किंग व्यवस्था को लेकर विशेष रूप से विचार-विमर्श किया गया। पर्यटन सीजन में बड़ी संख्या में आने वाले पर्यटकों के कारण यहां पार्किंग की समस्या उत्पन्न होती है, जिसे दूर करने के लिए उपयुक्त भूमि का चयन कर पार्किंग विकसित करने की योजना बनाई जा रही है।

ये बनाई है योजना

प्रस्तावित योजना में बच्चों के लिए किड्स प्ले जोन, एडवेंचर एक्टिविटीज, कैफे, मनोरंजन सुविधाएं तथा अन्य आधुनिक पर्यटन आकर्षण विकसित करने की योजना बनाई जा रही हैं। इससे न केवल पर्यटकों को बेहतर सुविधाएं मिलेंगी, बल्कि स्थानीय स्तर पर रोजगार एवं आर्थिक गतिविधियों को भी बढ़ावा मिलेगा। इस दौरान अधिकारियों ने बताया कि सभी आवश्यक बिंदुओं को शामिल करते हुए एक व्यापक विकास योजना तैयार की जाएगी। अर्बन चैलेंज फंड स्कीम के तहत पर्यटन एवं शहरी विकास परियोजनाओं के लिए केंद्र सरकार द्वारा 25 प्रतिशत राशि प्रदान की जाएगी। वहीं 25 प्रतिशत राशि राज्य सरकार नगरीय निकाय प्रशासन अथवा मध्यप्रदेश पर्यटन विभाग द्वारा वहन की जाएगी। शेष 50 प्रतिशत राशि पब्लिक-प्राइवेट पार्टनरशिप मॉडल अथवा ऋण के माध्यम से जुटाकर विकास कार्यों को पूरा किया जाएगा। भ्रमण के दौरान भेड़ाघाट नगर परिषद के अध्यक्ष चतुर सिंह भी मौजूद थे।

अवलोकन, राजस्व अभिलेखों की जांच प्रक्रिया

अधिकारियों ने विभिन्न भूमि खंडों का निरीक्षण किया तथा उनके राजस्व अभिलेखों की जांच की प्रक्रिया शुरू की गई है। कुछ भूमि वन विभाग के अधीन होने के कारण इस संबंध में वन विभाग से समन्वय स्थापित कर आवश्यक व्यवस्था की जाएगी। भ्रमण के दौरान भेड़ाघाट घाट क्षेत्र, हाट बाजार एवं मनोरंजन पार्क, स्वर्गद्वारी क्षेत्र, पंचवटी घाट तथा नौका विहार क्षेत्र का भी अवलोकन किया गया। इन स्थलों पर सौंदर्यीकरण, आधुनिक प्रकाश व्यवस्था, पर्यटक सुविधाओं के विस्तार और आकर्षक पर्यटन गतिविधियों के विकास की संभावनाओं की दिशा में कार्य पर जोर दिया गया।

बेराजगारों से नौकरी लगाने के नाम पर ऐंठे 21.74 लाख

विजय नगर पुलिस ने दर्ज की एफआईआर

नवभारत, जबलपुर। बेरोजगार युवाओं को प्राइवेट नौकरी दिलाने का झांसा देकर शातिर जालसाज ने छह युवकों को अपने जाल में फंसाकर उनसे कुल 21 लाख 74 हजार रुपये ऐंठ लिए। पीड़ितों की शिकायत पर विजय नगर पुलिस ने एफआईआर दर्ज कर मामले को जांच शुरू कर दी है ।

पुलिस के मुताबिक अरविंद सेन (34), निवासी चंद्रमोहन नगर रांझी ने बताया कि प्रदीप कुमार श्रीवास्तव ने उनसे प्राइवेट नौकरी लगवाने के नाम पर 4,12,000 लिए थे। अरविंद को बाद में पता चला कि आरोपी ने उनके जैसे पांच अन्य युवाओं को भी अच्छी नौकरी का लालच देकर अपनी ठगी का शिकार बनाया है। यह पूरा लेनदेन 4 जुलाई 2024 से अलग-अलग किस्तों में शुरू हुआ था। पीड़ितों के अनुसार, उन्होंने आरोपी प्रदीप श्रीवास्तव को ऑनलाइन के साथ-साथ कैश भी दिया था। यह नगद लेनदेन कृष्णा कुमार गौड़ और वृंदा बेन के सामने हुआ था। पैसे

लेने के बाद जब भी पीड़ित नौकरी के संबंध में बात करते, तो आरोपी लगातार टालमटोल करता रहा।

इन्हें लगाया चूना

जालसाजा ने नौकरी लगाने के नाम पर अरविंद सेन से 4,12,000 रूपए, निहाल आर्मो से 4,12,000 रूपए, अनिल कुमार सेन से 4,12,500 रूपए, बलराम साहू से 3,75,000 रूपए, रूपेश सेन से 3,62,500 रूपए, चेतन बेन से 2,00,000 रूपए, कुल 21,74,000 रूपए ऐंठे ।

चालाकी दिखा थमाए चेक युवाओं को मिला धोखा

जब युवाओं को अहसास हुआ कि उनके साथ धोखा हुआ है और आरोपी कोई नौकरी नहीं लगवा सकता, तो उन्होंने अपने पैसे वापस मांगना शुरू किया। खुद को फंसता देख आरोपी प्रदीप ने चालाकी दिखाई। उसने पीड़ितों का विश्वास जीतने के लिए उन्हें थोड़ी-बहुत रकम वापस की और बाकी पैसों के बदले साल 2025 के बैंक चेक थमा दिए। चेक मिलने के कारण पीड़ित झांसे में आ गए और उन्होंने इंतजार किया, लेकिन अंत में उन्हें सिर्फ धोखा ही मिला। विश्वासघात और आर्थिक नुकसान झेलने के बाद, सभी पीड़ितों ने एकजुट होकर विजय नगर थाने में लिखित शिकायत दर्ज कराई। जिसके बाद पुलिस ने रिपोर्ट पर प्रकरण दर्ज कर लिया ।

कलेक्टर-एसपी के साथ कुलगुरु ने लिया रादुविवि के प्रेक्षागृह का जायजा

36वें दीक्षांत समारोह के आयोजन की तैयारी जोरों पर

जबलपुर। रानी दुर्गावती विश्वविद्यालय का 36वाँ दीक्षान्त समारोह 21 जून 2026 को आयोजित किया जाना प्रस्तावित है। विश्वविद्यालय में गुरूवार को जिला प्रशासन एवं विश्वविद्यालय प्रशासन के अधिकारियों द्वारा दीक्षान्त समारोह की तैयारियों का जायजा लिया गया। इस दौरान कुलगुरु प्रो. राजेश कुमार वर्मा, कलेक्टर राघवेन्द्र सिंह, पुलिस अधीक्षक सम्पत उपाध्याय, एस.डी.एम. मोनिका बाघमारे एवं कुलसचिव डॉ. रविशंकर सोनवाल की उपस्थिति में आयोजित बैठक में दीक्षांत समारोह की विभिन्न समितियों के संयोजकों से तैयारियों की विस्तृत समीक्षा की गई। साथ ही दीक्षान्त समारोह में प्रेक्षागृह में मंच की बैठक व्यवस्था, दीक्षान्त शोभा यात्रा के साथ-साथ सम्पूर्ण आयोजन के दौरान विद्युत व्यवस्था एवं विश्वविद्यालय परिसर में वाहनों की पार्किंग के लिए समुचित व्यवस्था के लिए भी सुझाव प्राप्त हुए। दीक्षांत समारोह के लिए स्वर्ण पदक एवं उपाधि धारक के पंजीयन प्रारंभ हो गए हैं, इसकी अंतिम तिथि 15 जून 2026 निर्धारित की गई है। दीक्षांत समारोह आयोजन समिति के संयोजक प्रो. एस.एस. संधू ने बताया कि विश्वविद्यालय में विद्यार्थियों की सुविधा के लिए शनिवार 6 जून, 2026 को अवकाश के दिन भी कार्यालय खुला रहेगा। विद्यार्थी स्वर्ण पदक के पंजीयन के लिए अधिष्ठाता छात्र कल्याण में एवं पीएचडी उपाधि के पंजीयन के लिए गोपनीय विभाग में दोपहर 12 बजे से सायं 5.00 बजे तक संपर्क कर सकते हैं। इस अवसर पर दीक्षांत समारोह आयोजन समिति के संयोजक एस.एस. संधू, प्रो. राकेश बाजपेयी, ममता राव, अलका नायक, जे.के. मैत्रा, धीरेन्द्र पाठक, पवन साहू, डॉ. अजय सिंह, ओमप्रकाश यादव सहित विभिन्न समितियों के संयोजक एवं सदस्य उपस्थित रहे।

प्लॉट के नाम पर महिला आशा कार्यकर्ता से हड़पे 13.58 लाख

दिवंगत मित्र की पत्नी से विश्वासघात कर न्यायालय में लंबित विवादित जमीन थमाई दो पर एफआईआर

नवभारत, जबलपुर। माढ़ोताल थाना अंतर्गत आईटीआई में दो शातिर जालसाजों ने अपने ही एक दिवंगत मित्र की पत्नी आशा कार्यकर्ता को भरोसे में लेकर न्यायालय में विचाराधीन विवादित प्लॉट बेच दिया। आरोपियों ने बुकिंग, एग्रीमेंट और सरकारी रजिस्ट्री के नाम पर महिला की जीवनभर की जमा-पूंजी के कुल 13 लाख 58 हजार रुपये ऐंठ लिए। पुलिस ने पीड़िता के दिवंगत पति के दो जालसाज परिचितों के खिलाफ धोखाधड़ी का मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

पुलिस के अनुसार, राजीव गांधी नगर, गली नंबर-01 आईटीआई माढ़ोताल निवासी संगीता पटेल (49) पति स्वर्गीय परसराम पटेल, पेशे से आशा कार्यकर्ता हैं। संगीता ने अपने परिवार के सुरक्षित भविष्य के लिए एक भूखंड खरीदने की योजना बनाई थी। इस दौरान उनके दिवंगत पति के दो पुराने परिचितों महेंद्र दुबे निवासी पंजाब बैंक कॉलोनी, दमोहनाका और संजू ठाकुर निवासी स्कीम नंबर-5, विजय नगर, ने उनसे संपर्क किया। दोनों आरोपियों ने संगीता को झांसा दिया कि वे मौजा औरैया दादा ठनठनपाल वार्ड के खसरा नंबर 434 कुल रकबा 1.48 हेक्टेयर में एक सर्वसुविधायुक्त कॉलोनी स्मार्ट रेजीडेंसी डेवलप कर रहे हैं। आरोपियों ने महिला को प्लॉट

1000 वर्गफुट दिखाते हुए दावा किया कि यह जमीन पूरी तरह वैध, निर्विवाद और क्लियर टाइटल की है। महिला ने उन पर भरोसा कर 1,250 रुपये प्रति वर्गफुट के हिसाब से सौदा तय कर लिया।

टुकड़ों में ऐंठी रकम, श्रीराम ट्रेडर्स के नाम पर लिया चेक

ठगों ने सोची-समझी साजिश के तहत पीड़िता से अलग-अलग तारीखों में राशि हड़पी। रसीद क्रमांक 037 के जरिए प्लॉट बुकिंग के नाम पर 51,000 ऑनलाइन ट्रांसफर करवाए। इसके साथ ही दोनों पक्षों के बीच एग्रीमेंट हुआ, जिसमें पीड़िता ने बैंक ऑफ महाराष्ट्र के चेक (क्र. 36462) के माध्यम से 5,00,000 का भुगतान आरोपियों के कहे अनुसार श्रीराम ट्रेडर्स के नाम पर किया। इसके बाद आरोपियों ने फोन पे, गूगल पे और बैंक ट्रांसफर के जरिए कुल 12,50,000 वसूल लिए। पीड़िता ने 1,08,000 की अतिरिक्त राशि रजिस्ट्री शुल्क और सरकारी खर्चों के रूप में चुकाकर उप-पंजीयक कार्यालय में प्लॉट की विधिवत रजिस्ट्री भी करा ली।

नामांतरण के वक्त खुला जालसाजी का राज

जमीन की रजिस्ट्री होने के बाद जब संगीता पटेल ने आरोपियों से सरकारी रिकॉर्ड में नामांतरण कराने को कहा, तो आरोपियों के सुर बदल गए। वे कभी सड़क तो कभी नाली बनवाने का बहाना बनाकर महीनों तक टालमटोल करते रहे। शक होने पर जब पीड़िता ने तहसील कार्यालय और न्यायालयीन रिकॉर्ड्स की जांच करवाई, तो उनके होश उड़ गए। जांच में पता चला कि जिस जमीन का प्लॉट उन्हें बेचा गया है, वह पहले से ही न्यायालय में विवादित है और उस पर केस चल रहा है। आरोपियों ने जानबूझकर यह आपराधिक सच छिपाया और महिला के साथ कुल 13,58,000 की वित्तीय धोखाधड़ी को अंजाम दिया। पुलिस ने शिकायत पर आरोपी महेंद्र दुबे और संजू ठाकुर के खिलाफ मामला दर्ज कर उनकी तलाश शुरू कर दी है।

सेवानिवृत्त शिक्षक से 45 हजार से भरा बैग लूटा

नवभारत, जबलपुर । मझगवां थाना अंतर्गत बघराजी रोड बायपास नहर पुलिया के पास गुरूवार को दिनदहाड़े सेवानिवृत्त शिक्षक पर झपट्टा मारकर लुटेरे 45 हजार रूपए से भरा बैग लूटकर भाग गए । पुलिस ने रिपोर्ट पर प्रकरण दर्ज कर लिया है।

पुलिस के मुताबिक रत्नेश कुमार तिवारी 48 वर्ष निवासी ग्राम कुम्ही खुर्द ने रिपोर्ट दर्ज कराई कि वे वर्तमान में प्राथमिक शाला पाराखेडा में प्राथमिक शिक्षक के रुप में कार्यरत है उसके पिता सुरेन्द्र कुमार तिवारी 88 वर्ष सेवानिवृत्त शिक्षक है। जिनका पेंशन खाता एसबीआई बैंक मझगवां में है। गुरूवार दोपहर लगभग 12 बजे पिता सुरेन्द्र कुमार तिवारी को अपनी स्कूटी में एसबीआई बैंक मझगवां लेकर आया था। पिता की पेंशन 45000 रुपये निकालने के बाद उसने वही पर गड्डी के नोट गिने थे जिसमें 500-500 रुपये के 90 नोट थे, नोट गिनने के बाद अपने

काले रंग के हैडबैग में रुपये रख लिये थे तथा पिता को पैसा वाला बैग दे दिया था। उसके बाद अपने पिता को स्कूटी में पीछे बैठाकर अपने घर वापस जाने के लिये निकाला, बैंक से कुछ दूर पर गन्ने के रस का ठेला लगा था वहां रुककर गन्ने का रस पिया उसके बाद पुन: पिता को साथ लेकर अपने घर कुम्ही खुर्द जा रहा था, लगभग दोपहर 12:45 बजे जैसे ही बघराजी रोड बायपास नहर पुलिया के पास मझगवा पहुंचे तभी पीछे एक मोटर सायकिल में सवार 2 अज्ञात व्यक्ति उसकी स्कूटी के बगल से आये और पिता के हाथ में लिये हुये बैग को छपटकर छीन कर भाग गये, उसने स्कूटी से मोटर सायकल का पीछा किया जो काफी तेज बिलैय्या पेट्रोप से मझगवां की ओर भाग गये। पुलिस प्रकरण दर्ज कर पतासाजी कर रही है। सीसीटीव्ही कैमरों को भी खंगाल रही है ताकि आरोपियों की पहचान की जा सके।

आठ जिलों की पुलिस हुई सक्रिय, लुटेरे फरार

कन्ट्रोलरूम द्वारा तत्काल शहर एवं देहात में नाकेबंदी करायी गयी, सरहदी जिले कटनी, दमोह, नरसिंहपुर, सिवनी, मण्डला, उमरिया, डिण्डोरी के कन्ट्रोलरूम को घटित हुई घटना की जानकारी देते हुये सूचित किया गया। जबलपुर समेत आठ जिलों की पुलिस अलर्ट हुई लेकिन लुटेरे भाग निकले। आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक ग्रामीण सूर्यकांत शर्मा एवं एसडीओपी सिहोरा आदित्य सिंघरिया के मार्गनिर्देशन में थाना प्रभारी मझगवॉ शंकर लाल ठाकुर के नेतृत्व में टीम गठित कर लगायी गयी।

चार थानों के टीआई बदले, दो लाइन हाजिर

नवभारत, जबलपुर। शहर की सुरक्षा और कानून व्यवस्था को और अधिक मजबूत बनाने के लिए पुलिस अधीक्षक सम्पत उपाध्याय ने तत्काल प्रभाव से चार थाना प्रभारियों को बदला है। जिसमें सिविल लाइन आधारताल, ग्वारीघाट और बरेला थानों के कप्तानों को बदला गया। जिसकि दो टीआई को लाइन हाजिर भी किया गया।जानकारी अनुसार सिविल लाइन थाने में तैनात रहे कन्हैया सिंह बघेल को ग्वारीघाट थाने की कमान सौंपी गई है। जबकि निरीक्षक स्वप्निल दास को सिविल लाइन थाने की जिम्मेदारी सौंपी गई है। ग्वारीघाट थाने में पदस्थ रहे निरीक्षक हरिकिशन आटनेरे को हटा दिया गया है। उन्हें पुलिस लाइन हाजिर किया गया है। आधारताल थाना प्रभारी रहे प्रवीण कुमरे को भी हटाकर लाइन भेजा गया है और निरीक्षक विपिन ताम्रकार को अब आधारताल थाने की कमान सौंपी गई है।

सिटीज 2.0 परियोजना के प्रस्तावित कार्यों का निरीक्षण

अधिकारियों को दिये आवश्यक दिशा निर्देश

नवभारत,जबलपुर। स्मार्ट सिटी के सी.ई.ओ. अरविंद शाह द्वारा सिटीज 2.0 परियोजना के अंतर्गत प्रस्तावित विभिन्न घटकों का स्थलीय निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान कठौंदा स्थित वेस्ट-टू-एनर्जी प्लांट के समीप प्रस्तावित बायो-सीएनजी प्लांट एवं गार्बेज ट्रांसफर स्टेशन हेतु चिन्हांकित स्थलों का अवलोकन किया गया साथ ही परियोजना की आगामी कार्य योजना, क्रियान्वयन रणनीति एवं प्रस्तावित गतिविधियों पर विस्तृत चर्चा की गई। भ्रमण के दौरान रानीताल एस.टी.पी., रानीताल तालाब, तालाब के समीप उपलब्ध रिक्त भूमि, रानीताल जी.टी.एस., रांझी जी.टी.एस. तथा कठौंदा स्थित जबलपुर सिटी ट्रांसपोर्ट सर्विस

लिमिटेड द्वारा विकसित किए जा रहे ई-बस डिपो का भी निरीक्षण किया गया।

इस दौरान संबंधित स्थलों की वर्तमान स्थिति, उपलब्ध संसाधनों एवं भावी उपयोगिता का आकलन करते हुए परियोजना के प्रभावी क्रियान्वयन हेतु आवश्यक दिशा-निर्देश प्रदान किए गए। निरीक्षण के दौरान जबलपुर स्मार्ट सिटी लिमिटेड की ओर से जी.आई.एस. एक्सपर्ट बालेन्द्र शुक्ला, डेटा मैनेजमेंट ऑफिसर अंकुर खरे, सहायक अर्बन प्लानर अर्पित नेमा, ई-गवर्नेंस मैनेजर गजेन्द्र सिंह तथा एन्वायरमेंट एवं सोशल सेफगार्ड एक्सपर्ट वत्सल खंडेलवाल उपस्थित रहे।

बछड़े बांधते समय चक्कर आने से गिरी बुजुर्ग महिला की मौत

नवभारत, जबलपुर। तिलवारा थाना अंतर्गत डुडवारा स्थित गौशाला में बछड़े बांधते समय एक 70 वर्षीय बुजुर्ग महिला की अचानक तबीयत बिगड़ गई और वे चक्कर आने से गिर गईं जिससे उसकी से मौत हो गई। पुलिस मर्ग कायम कर जांच कर रही है।

पुलिस के मुताबिक डुडवारा निवासी करन सिंह पटेल (50) ने सूचना दी कि उनकी मां सुमंत्री बाई (70) घर के भीतर बनी गौशाला में गई थीं। वहां वे गाय के बछड़ों को खूंटे से बांध रही थीं, तभी अचानक उन्हें तेज चक्कर आया और वे अचेत होकर जमीन पर गिर पड़ीं। मां को बेहोश हालत में देखकर परिजन घबरा गए। बुजुर्ग को तुरंत इलाज के लिए अस्पताल लेकर भागे। अस्पताल में डॉक्टर ने परीक्षण उपरांत सुमंत्री बाई को मृत घोषित कर दिया। गुरुवार को पुलिस ने मर्ग दर्ज कर लिया है। पुलिस मामले की हर एंगल से जांच कर रही हैं।

अवैध कॉलोनी बना कर 56 भूखंडों को बेचा

बिल्डरों के खिलाफ एफआईआर दर्ज

नवभारत, जबलपुर। अधारताल थाना अंतर्गत पिपरिया में बिना सक्षम स्वीकृतियों के अवैध कॉलोनी बनाकर 56 भूखंडों को बेचने वाले बिल्डरों के खिलाफ पुलिस ने एफआईआर दर्ज कर ली है ।

पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार मोहम्मद मजहर उस्मानी पिता शेख मुन्ना निवासी पतंग वाली गली ढडगर मोहल्ला गोहलपुर एवं विष्णु कुशवाहा पिता जगन्नाथ कुशवाहा निवासी बस्ती नंबर 2 गोहलपुर ने पिपरिया बनियाखेडा में स्थित भूमि खसरा नंबर 291/1/1 रकवा 1.697 हेक्टेयर एवं खसरा नंबर 291/1/2 रकवा 0.093 हेक्टेयर कुल रकवा 1.790 हेक्टेयर भूमि पर पक्की रोड,पक्की नाली का निर्माण कार्य भूमि को 56 भूखंडो में विभाजित कर विक्रय किया गया है। दोनों बिल्डरों ने मप्र ग्राम पंचायत (कालोनियों का विकास) नियम-2014 के नियम-3 के तहत कालोनाईजर रजिस्ट्रीकरण प्रमाण पत्र, प्राप्त किये बिना भूमि को भू-खण्डों में विभाजित किया है। जिससे शासन को कालोनाईजर रजिस्ट्रीकरण शुल्क की हानि हुई है। प्रावधान के तहत बिना नक्शा अनुमोदन कराये कॉलोनी में भू-खण्ड विकसित किये जाकर रोड नाली का निर्माण किया गया था। जिससे नक्शा अनुमोदन शुल्क की हानि शासन को हुई है।

उदासीनता जुबानी अमलों पर सौंदर्यीकरण की बात, हकीकत में साबित हो रही झूठी...

अस्तित्व खोता जा रहा शहर का ऐतिहासिक माढ़ोताल तालाब

52 एकड़ में फैले तालाब में पानी की जगह नजर आ रहीं झाड़ियां

विवेक दुबे

नवभारत,जबलपुर। जो कभी शहर में ऐतिहासिक जलस्रोत के लिए जाना जाता था वो तालाब आज पानी के लिए मोहताज नजर आ रहा है। आज जो भी इस तालाब को देख रहा है वो ये कहते नजर आ रहा है कि जिम्मेदारों की उदासीनता और जल संरक्षण के अभाव में शहर का प्रसिद्ध माढ़ोताल तालाब अपना धीरे धीरे अस्तित्व खोता जा रहा है।

करीब 52 एकड़ के बड़े क्षेत्र में फैले माढ़ोताल तालाब की वर्तमान स्थिति जाने तो यहां का एक बड़ा हिस्सा गंदगी, झाड़ियों और पेड़-पौधों से ढंक चुका है। आलम ये है

कि माढोताल तालाब में कई जगह तो यह पहचान पाना भी मुश्किल हो जाता है कि यहां कभी पानी से भरा तालाब हुआ करता था।

अब एक बार फिर से इस तालाब को लेकर बड़े ऐलान किए गए हैं। उत्तर मध्य विधानसभा के विधायक अभिलाष पांडे ने घोषणा की है कि करीब 8.50 करोड़ रुपए की लागत से माढ़ोताल तालाब का सौंदर्यीकरण किया जाएगा। लेकिन जमीनी हकीकत की बात करें तो ये घोषणा सिर्फ कागजों, वादों में ही नजर आ रही है, धरातल में माढ़ोताल तालाब के सौंदर्यीकरण का कोई भी नजारा नजर नहीं आ रहा है।

ऐतिहासिक तालाब को छीनने की तैयारी....

इसी बीच सवाल ये खड़े हो रहे हैं कि क्या 280 करोड़ रुपए के इस माढ़ोताल तालाब को पहले ही संरक्षित करके नहीं रखा जा सकता था। शहर के पर्यावरण विदों व जानकारों का तो स्पष्ट कहना है कि 52 ताल तलैयों वाले जबलपुर शहर से एक और ऐतिहासिक तालाब को छीनने की तैयारी जिम्मेदारों द्वारा की जा रही है।

2022 में जिला प्रशासन ने आंकी थी कीमत

जानकारी के अनुसार वर्ष 2022 में जब जबलपुर के कलेक्टर इलैयाटी राजा थे उस वक्त जिला प्रशासन की टीम ने माढ़ोताल तालाब के पास से अवैध कब्जों को हटाया था और इस तालाब की कीमत करीब 280 करोड़ रुपए आंकीं थी।

कुछ इस तरह की घोषणाएं...

उत्तर मध्य विधानसभा के विधायक डॉ. अभिलाष पांडे ने कुछ महीनों पहले पत्रकारवार्ता आयोजित कर घोषणा की थी कि ऐतिहासिक माढ़ोताल तालाब का अब जल्द ही करीब 8.50 करोड़ की लागत से सौंदर्यीकरण किया जाएगा जिसमें तालाब के किनारे पैदल चलने के लिए पाथ वे का निर्माण होगा वहीं बच्चों के घूमने के लिए एक ट्रेन संचालित की जाएगी साथ ही गेम जोन, फूड जोन भी तालाब के पास बनाया जाएगा जिससे शहर के साथ साथ बाहर के शहरों से भी जबलपुर आए लोग माढोताल तालाब के सौंदर्यीकरण को निहार सकें।